पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन
सत्र–2026–27
विषय–संस्कृत
कक्षा–11

क्र0सं0	माह	पाठ्यक्रम
1.	अप्रैल	शब्दरूप –पुंलिङ्ग : राम, हरि, गुरु, पितृ, भगवत्, करिन्, राजन्, पति, सखि, विद्वस्, चन्द्रमस्।
2.	मई	महाकवि बाणभट्ट का जीवन परिचय एवं गद्य शैली। चन्द्रापीडकथा – आसीत् पुरा .....अवष्टभ्य तस्थौ।
3.	जून	**ग्रीष्मावकाश**
4.	जुलाई	महाकवि कलिदास का कवि परिचय एवं काव्य शैली। रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग) श्लोक संख्या 01 से 16 तक। **प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)** व्याकरण – स्वर सन्धि – इकोयणचि, एचोऽयवायावः, आद्गुणः, वृद्धिरेचि, अकः सवर्णे दीर्घः, एङि पररूपम्, एङ्ः पदान्तादति।
5.	अगस्त	चन्द्रापीडकथा – असावपि पापः ..... सिंहासनम् आरुरोह। धातुरूप– परस्मैपद – भू, पठ्, पा, गम्, दृश्, स्था, नी, अस्, नश्, आप्, शक्, इष्। प्रच्छ्, कृष्। (लट्, लङ्, लोट्, विधिलिङ्, लृट्) **द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)**
6.	सितम्बर	रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग) श्लोक संख्या 17 से 32 तक। अलंकार – अनुप्रास, यमक। मित्र तथा सम्बन्धियों को पत्र। व्याकरण– समास – तत्पुरुष, कर्मधारय, बहुव्रीहि। कारक एवं विभक्ति – प्रथमा विभक्ति (कर्ता कारक) (1)स्वतन्त्रः कर्ता। (2) प्रातिपदिकार्थ लिंगपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा।
7.	अक्टूबर	नाटककार का जीवन परिचय एवं नाट्यशैली। अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक) (ततःप्रविशतः कुसुमावचयं नाट्यन्त्यौ सख्यौ।) अनसूया– हला प्रियंवदे! .....श्लोक संख्या 05 तक। व्याकरण– प्रत्यय–क्तिन्, क्त्वा, ल्यप्। व्याकरण – कारक तथा विभक्ति – द्वितीया विभक्ति (कर्म कारक)

		(1) कर्तुरीप्सिततमं कर्म। (2) कर्मणि द्वितीया। (3) अकथितं च। (4) अधिशीङस्थासां कर्म (5) अभितः परितः समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि (वा0) (6) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे। **अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन (लगभग 60% पाठ्यक्रम के आधार पर)**
8.	नवम्बर	चन्द्रापीडकथा – अथ दिग्विजयाय ..... यथार्थमेव नाम कृतवान्। रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग) श्लोक संख्या 33 से 40 तक। व्याकरण–शब्दरूप – स्त्रीलिंग– रमा, मति, नदी, वधू, धेनु, वाच्, सरित्, श्री, स्त्री, अप्। **तृतीय यूनिट टेस्ट नम्बर अन्तिम सप्ताह। (MCQ आधारित)**
9.	दिसम्बर	चन्द्रापीडकथा – साहं पितृभवने बालतया..... सर्व रमणीयकानाम् एकनिवासभूताम् कादम्बरीं ददर्श।' अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक) अनसूया– यद्यपि नाम विषयपराङमुखस्य ..... श्लोक संख्या 06 तक। **चतुर्थ यूनिट टेस्ट दिसम्बर अन्तिम सप्ताह (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)** व्याकरण – कारक तथा विभक्ति – तृतीया विभक्ति (करण कारक) (1) साधकतमं करणम्। (2) कर्तृकरणयोस्तृतीया। (3) सहयुक्तेऽप्रधाने। (4) पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्यतरस्याम्। (5) येनाङ्गविकारः।
10.	जनवरी	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक) सख्यौ–हला शकुन्तले.....श्लोक सं0–10 (आकाशे) तक। व्याकरण – अनुवाद – हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद। प्रत्यय – शतृ, शानच्, तुमुन्, यत्। पुनरावृत्ति।
11.	फरवरी	**गृह परीक्षा/वार्षिक परीक्षा का आयोजन।**
12.	मार्च	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन मार्च के तृतीय सप्ताह तक। परीक्षाफल का वितरण।